11/07/19

CC-8
(Unit-1)

विद्यालय प्रबंधन एवं नेतृत्व की समझ—

विद्यालय संगठन :—

विद्यालय संगठन वह संरचना है, जिसमें शिक्षक, छात्र, प्रधानाध्यापक, निरीक्षक तथा अन्य इच्छित विद्यालय की क्रियाओं को चलाने के लिए मिलकर कार्य करता है। विद्यालय का संगठन मुख्यतः उन व्यवस्थाओं से संबंधित है, जो निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायता प्रदान करती है।

इसके अंतर्गत भौतिक एवं मानवीय तत्वों की समुचित व्यवस्था करना होता है। विद्यालय संगठन के अंतर्गत केवल व्यवस्था ही नहीं बल्कि विभिन्न विद्यालय तत्वों में सामंजस्य स्थापित करना भी अनिवार्य है। सभी आवश्यक तत्वों के बीच इस प्रकार सामंजस्य स्थापित करना चाहिए, जिससे निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रत्येक तत्व का अधिकतम उपयोग कम-से-कम श्रम एवं बाधा के अभाव में किया जा सके।

यदि विद्यालय की विभिन्न तत्वों के प्रयोग एवं उनके बीच उचित सामंजस्य का अभाव है, तो विद्यालय का कोई सुचारु रूप से संचालित नहीं हो पाता है। इस प्रकार विद्यालय संगठन एक विशेष उद्देश्य की प्राप्ति के लिए साधन रूपी संरचना है।

जिससे वह स्वयं अपनी जाति, समाज, राष्ट्र और मानव जाति के लिए वरदान सिद्ध हो सके।

5) शिक्षा संबंधी नीतियों का निर्धारण करना, शिक्षा योजनाएँ बनाना तथा उन्हें क्रियान्वित करना।

6) शिक्षा विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों में समन्वय स्थापित करना।

7) शिक्षण संस्थाओं का निरीक्षण एवं परिक्षण प्रदान करना। और आवश्यक प्रगति हेतु निर्देश देना।

8) समाज के नागरिकों बालकों तथा व्यवस्थापकों को समय-समय पर शिक्षा की नीतियों, योजनाओं और प्रगति से अवगत कराते रहना।

9) शिक्षा संबंधी कार्यों को संपन्न करना और शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्तियों की सहायता करना।